Printed Pages – 4

D-5912

M.A. (I[st] Semester) Examination, 2020

HINDI

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 70

Minimum Pass Marks : 25

वर्ग - अ

Q. 1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न :

(अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **5**

(1) 'साखी' का शाब्दिक अर्थ ..... है।

(2) 'पद्मावत' के रचनाकार ..... हैं।

(3) सूरदास ..... भक्तिधारा के कवि हैं।

(4) 'रामचरितमानस' के नायक ..... हैं।

(5) विद्यापति की काव्य भाषा ..... है।

(ब) निम्नांकित प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए : **5**

(6) 'मैथिली कोकिल' किस कवि को कहा जाता है ?

(क) विद्यापति

(ख) मीराबाई

(ग) सूरदास

(घ) जायसी

(7) कबीर का जन्म किस सन् में माना जाता है ?

(क) 1395 ई.

(ख) 1396 ई.

(ग) 1397 ई.

(घ) 1398 ई.

(8) राजा रत्नसेन कहाँ का राजा था ?

(क) सिंहलद्वीप

(ख) चित्तौड़गढ़

(ग) दिल्ली

(घ) अजमेर

(9) तुलसीदास का संबंध भक्तिकाल के किस शाखा से है ?

(क) ज्ञानाश्रयी

(ख) प्रेमाश्रयी

(ग) रामभक्ति

(घ) कृष्णभक्ति

(10) निम्नांकित में से कौन सूरदास की रचना नहीं है ?

(क) सूरसागर

(ख) सूरसारावली

(ग) साहित्य लहरी

(घ) दोहावली

वर्ग - ब

Q. 2. अति लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) कोई पाँच : **10**

(1) सूफी काव्य किसे कहा है ?

(2) निर्गुण भक्ति को परिभाषित कीजिए ?

(3) जायसी के रचनाओं के नाम लिखिए ?

(4) रामचरितमानस के काण्डों के नाम लिखिए।

(5) 'गुरूदेव कौ अंग' काव्य की विषयवस्तु लिखिए।

(6) विद्यापति ने किनके श्रृंगार का वर्णन किया है ?

(7) भ्रमरगीत को परिभाषित कीजिए ?

वर्ग - स

Q. 3. लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) कोई पाँच : **20**

(1) ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी शाखा के काव्य में अंतर बताइए।

(2) भक्तिकाल की धार्मिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

(3) सूरदास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(4) सूफी काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(5) निर्गुण भक्ति की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।

(6) भक्तिकाल में तुलसीदास का स्थान निरूपित कीजिए।

(7) सूरदास के काव्य सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

वर्ग - द

Q. 4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 500 शब्द) कोई तीन : **30**

(1) पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता, भाषा और काव्यरूप पर प्रकाश डालिए।

(2) विद्यापति का परिचय देते हुए उनकी काव्य-भाषा पर एक निबंध लिखिए।

(3) कबीर की सामाजिक चेतना को उदाहरण सहित समझाइये।

(4) "गोस्वामी तुलसीदास : लोकमंगल एवं समन्वय के प्रबल प्रतिपादक हैं।" इस कथन की सतर्क समीक्षा कीजिए।